Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to provide better facilities and equipments in AIIMS Raipur and to open another AIIMS in Bastar, Chhattisgarh.

श्री विजय बघेल (दुर्ग): सभापति महोदय, मुझे स्वास्थ्य विभाग जैसे महत्वपूर्ण बजट पर बोलने का अवसर माननीय राकेश सिंह जी ने दिया था, लेकिन समय के अभाव के कारण मुझे बोलने का अवसर नहीं मिला। मैं उसी से संबंधित कुछ बातों को शून्य काल में रखना चाहूंगा।

माननीय महोदय, कोरोना काल में जब विश्व के लोग चिंतित मन से अपने-आपको और दूसरों को बचाने के लिए लगे हुए थे, तो माननीय मोदी जी के कुशल नेतृत्व में उनके निर्देशन में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन जी हर स्तर पर व्यवस्था में लगे हुए थे। राज्य सरकारों के मुख्यमंत्रियों के साथ बार-बार बैठक करके माननीय प्रधान मंत्री जी जनता को इस कोरोना महामारी से बचाने में लगे हुए थे, तब ...* भी प्रदान कर रहे थे। छत्तीसगढ़ में सारी व्यवस्था चरमराई हुई थी। छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री में संवादहीनता थी। मगर मैं दिवंगत पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को धन्यवाद दूंगा और उनका पुण्य स्मरण भी करूंगा, जिन्होंने हमारे पूर्व माननीय सांसद रमेश वैद्य जी के निवेदन पर एम्स की स्वीकृति प्रदान की थी, जो इस कोरोना काल में छत्तीसगढ़ की जनता के लिए जीवनदायिनी साबित हुआ है। वहां के डायरैक्टर डॉ. नितिन नागरकर जी के नेतृत्व में सभी स्टाफ और डॉक्टर्स ने दिन-रात सेवाएं दे कर कोरोना से मुक्ति दिलाई है।...(व्यवधान)

माननीय सभापति: बघेल जी, आप अपनी मांग यहां रखिए ।

श्री विजय बघेल : अन्य अस्पतालों में भी उन्हीं के मार्गदर्शन और केन्द्र द्वारा उपलब्ध की गई संसाधनों से राज्य के डॉक्टर्स एवं स्टाफ ने भरपूर सेवाएं दी हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि एम्स की व्यवस्था को और दुरुस्त कर, डॉक्टर्स, स्टाफ एवं उपकरणों की और

व्यवस्था प्रदान की जाए, ताकि हमारे छत्तीसगढ़ के लोग उसका भरपूर लाभ ले सकें। अगर संभव हो तो आदिवासी बहुल क्षेत्र बस्तर में भी एक एम्स की स्थापना हो।